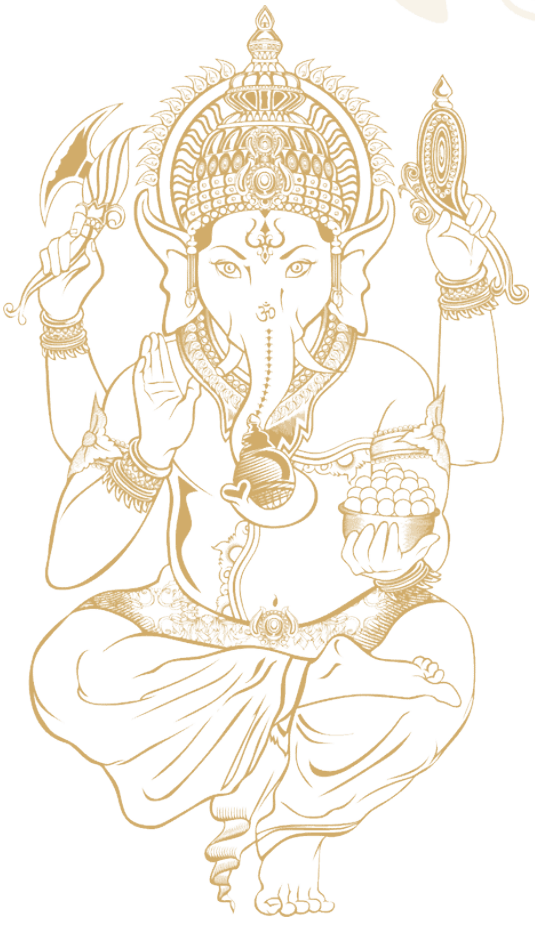

Shiv Jyoti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121471002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	10/02/1997
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	11:37:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	12:24:03 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Vapi Station
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	20:22:26 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	72:54:28 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:38:22 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	07:10:58
18:11:09	सूर्यास्त	18:34:28
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	11:40:33	कर्क	लग्न	मेष	19:43:54	शनि 17वर्ष 0मा 4दि
बुध	08:12:45	मीन	सूर्य	मक	27:43:55	बुध
10/05/2021	24:53:24	तुला	चंद्र	मीन	04:43:41	15/02/2014
10/05/2038	01:47:57	कुंभ	मंगल व	कन्या	11:59:33	15/02/2031
बुध 06/10/2023	15:45:14	मीन व	बुध	मक	07:38:37	बुध 13/07/2016
केतु 02/10/2024	13:10:10	सिंह व	गुरु	मक	10:46:10	केतु 11/07/2017
शुक्र 03/08/2027	16:33:17	कुंभ	शुक्र	मक	15:02:03	शुक्र 11/05/2020
सूर्य 09/06/2028	21:18:28	मक	शनि	मीन	10:41:29	सूर्य 17/03/2021
चन्द्र 08/11/2029	11:37:25	धनु व	राहु व	कन्या	05:23:08	चन्द्र 16/08/2022
मंगल 05/11/2030	11:37:25	मिथु व	केतु व	मीन	05:23:08	मंगल 14/08/2023
राहु 25/05/2033	23:52:05	धनु	हर्ष	मक	11:46:45	राहु 02/03/2026
गुरु 31/08/2035	24:58:18	धनु	नेप	मक	04:30:51	गुरु 07/06/2028
शनि 10/05/2038	29:00:13	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	11:35:01	शनि 15/02/2031

लग्न-चलित

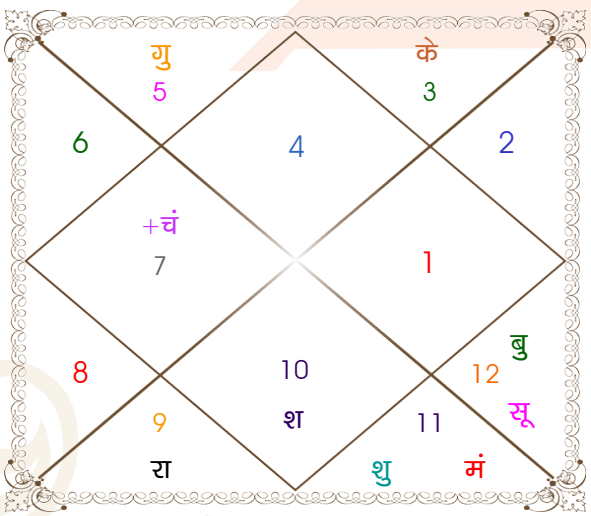

लग्न-चलित

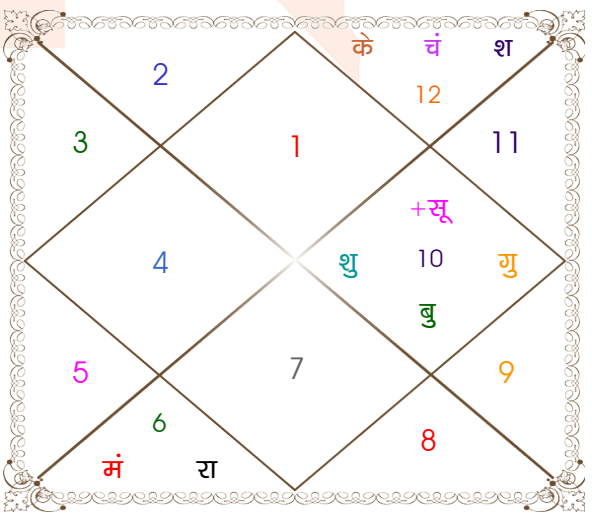

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गौ	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Shiv का वर्ग सर्प है तथा Jyoti का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shiv और Jyoti का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Shiv मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Shiv कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Jyoti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Jyoti कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shiv तथा Jyoti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।